परमेश्वर का राज्य फैलता गया

यीशु ने दर्शाया कि परमेश्वर का राज्य अभी और ऐतिहासिक तौर पर कैसे फैलता गया।

प्रार्थना: प्यारे परमेश्वर, अपने बच्चों की सहायता करो कि वह आपका वचन अपने दोस्तो के हृदय में बो सके। उनके वचन बीज डालने द्वारा जड़ पकड़े, फैले और बहुतायत से उनके हृदयों में फल लाए।

यह कार्यक्रम चुने जो बच्चो की आयु और आत्मिकता के अनुसार हो।

बड़े बच्चे या बुजुर्ग द्वारा यीशु की कहानी जो चार प्रकार की भूमि के विषय में **मत्ति 13:3-9 और 18-23** में पाई जाती है, सुनाए।

व्याख्या कीजिए जब विभिन्न लोग परमेश्वर का सुसमाचार सुनते है तो क्या होता है।

- कहानी बताती है कि परमेश्वर का राज्य कैसे धीरे-धीरे समय के अनुसार फैलता गया।
- कुछ लोगो ने प्रभु का वचन अस्वीकार किया तो कुछ ने स्वीकार किया।
- शैतान ने प्रभु के लोगो पर हमला किया परन्तु परमेश्वर का वचन दृढ़ता से फैलता गया और कुछ समय में ही संसार के लोगो में जड पकड़ता गया।

बच्चों से यह प्रश्न पूछे।

- जो तीन भूमि खराब थी, उनमें क्या बुराई थी।
- बीज कहाँ पर जड़ पकड़ता है, बढ़ता और फल लाता है।
- जब बीज अच्छी भूमि पर गिरता है तो क्या होता है।
- सुसमाचार का शुभ सन्देश किस प्रकार से बीज है।
- बुरी भूमि की तरह किस प्रकार के लोग होते है।
- क्या होता है जब मनुष्य सुसमाचार सुनकर विश्वास करते हैं।

चार प्रकार की भूमि के भाग का नाटक करिए।

- प्रार्थनामय अगुवे के साथ मिलकर बच्चो द्वारा बड़ो के लिए नाटक प्रस्तुत करें।
- अपने अध्ययन के समय नाटक तैयार करें।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चो की सहायता करें
- कोई **बड़ा बच्चा या बुजुर्ग** नाटक का यह भाग प्रस्तुत करें।
  वर्णन करने वाला: कहानी को संक्षिप्त करें और कलाकारों को याद कराए कि क्या करना है।
  किसान: बीज या छोटे पत्थर तैयार करें जो बीज को दर्शाए।
  काँटे
- **छोटे बच्चे चिड़ियो, गेहूँ और मुरझाए पौद्यों** का भाग प्रस्तुत करें।

वर्णनकर्त्ता: मत्ति 13:3-9 में से कहानी का पहला भाग बताएँ। फिर कहें "देखे जब बीज सड़क के किनारे गिरा तो क्या हुआ"।

किसान: एक मुठ्ठी बीज फैकें।

चिड़िया: बीज के ऊपर कूदँफाद करें और अपने हाथ परों की तरह फैलांए फिर थोड़े से बीज उठाकर उनको खाने का बहाना करें (उनके सचमुच में मुँह में न रखें)

वर्णनकर्त्ता: देखे जब बीज चट्टान पर गिरा तो क्या हुआ।

किसान: और बीज फैलाए!

गेहूँ के पौधे: जहाँ बीज गिरा वह अपने हाथ फैलाकर खड़े हो। फिर गर्म सूर्य की ओर देखें, अपनी आँखों पर हाथ रखकर और अहिस्ता से जमीन पर गिरे।

वर्णनकर्त्ता: देखे जब बीज झाड़ियो में गिरा तो क्या हुआ!

किसान: और बीज फैके।

मुरझाया पौद्या: अपने हाथ बाहर निकाल कर वहाँ खड़े हो जहाँ बीज गिरा।

काँटे: पैर की अंगुलियो पर चलते हुए झाड़ि के पीछे से झाँके। फिर दुष्टता में जोर से हँसे और अचानक अपने हाथ उसके गले के चारों तरफ रखकर उसको दबाने का बहाना करें।

मुरझाया पौधा: अपने हाथ अपनी गर्दन पर रखिए और जीभ बाहर निकालकर गिर जाएँ।

वर्णनकर्ता: "देखिए जब बीज अच्छी भूमि पर गिरा"।

किसान: और बीज फैके।

गेहूँ के पौधे: जहाँ बीज गिरा, वहाँ पर घमण्ड से खड़े होकर अपने दोनो हाथ स्वर्ग की तरफ उठाए।

किसान: देखो बीज सौ गुना फल लाया। अच्छी फसल के लिए प्रभु का धन्यवाद हो!

वर्णनकर्ता: कहानी का दूसरा भाग मत्ति 13:18-23 से बताएँ।

फिर उन सब का धन्यवाद करे जिन्होने नाटक में सहायता की।

प्रश्नः

अगर बच्चे बड़ों को कहानी प्रस्तुत करते हैं, तो बच्चे बड़ो से पृष्ठ एक से प्रश्न पूंछे।

बच्चे अंकुर निकले बीज का चित्र बनाए। बच्चे अपना यह चित्र बड़ो को दिखाए तथा प्रार्थना के समय वर्णन करे कि प्रभु का वचन बीज की तरह होता है जो हमारे ह्रदयो में जड़ पकड़ता है, बढ़ता है तो अच्छे फल लाता है।

कविता: तीन बच्चे भजनसंहिता 1:1-3 बारी बारी दोहराएँ।

क्या ही धन्य है वह व्यक्ति, जो दुष्टो की सम्मति पर नहीं चलता
  न पापियो के मार्ग में खड़ा होता,
और न ठट्टा करने वालो की बैठक में बैठता हैं

परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से आनन्दित होता है
  और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन ध्यान करता रहता है।
वह उस वृक्ष के समान है जो जल धाराओ के किनारे लगाया गया है,

और अपनी ऋतु में फलता है,
  और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं:
इसलिए जो कुछ वह मनुष्य करता है, वह उसमें सफल होता है।

बड़े बच्चे एक कविता या गीत चार प्रकार की भूमि के बारे में लिखे कि वह क्या दर्शाती है।

प्रेरितो के काम 4:12 याद करें।

प्रार्थना: प्यारे परमेश्वर हमारा सहायता करे कि हम लोगों को आपने बारे में बताकर आपके राज्य का बीच ड़ाले! हम आपके वचन आपने हृदय के जड़ो में समेट कर अच्छा फल लए।